वनभूमि पर अतिक्रमण हटाने फसल नष्ट

हत्याकांड के बाद बमोरी क्षेत्र में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 300 बीघा से अधिक जमीन मुक्त

गुना, 15 सितंबर. जिले के बमोरी क्षेत्र में वन भूमि पर लंबे समय से चल रहे विवाद और हाल ही में हुई हिंसा के बाद प्रशासन ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की.

चाकरी गांव में वन विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने आधा दर्जन से अधिक जेसीबी मशीनों के साथ मैदान में उतरकर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की. कार्रवाई के दौरान अवैध कब्जे में बोई गई मक्के की फसल को जेसीबी से नष्ट कर करीब 300 बीघा से अधिक जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया. इस मौके पर एसडीओपी विवेक अष्ठाना एवं एसडीएम, तहसीलदार के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा, वहीं राजस्व अमला और वन

विभाग की पूरी टीम कार्रवाई में शामिल रही. मौके पर भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी इसलिए भी जरूरी थी क्योंकि इसी चाकरी गांव में कुछ दिन पहले भील और भिलाला समाज के बीच वन भूमि पर कब्जे को लेकर खूनी संघर्ष हुआ था. इस विवाद में 55 वर्षीय गंगाराम भील की मौत हो गई थी और दर्जनभर से अधिक लोग घायल हो गए थे. सोमवार सुबह से ही वन विभाग और प्रशासन की टीम सुरक्षा घेरे में गांव पहुंची. देखते ही देखते जेसीबी मशीनों से खेतों में लगी मक्के की फसल पर पंजा चलना शुरू हुआ. कार्रवाई इतनी व्यापक थी कि पूरे दिनभर चली.

खूनी संघर्ष के बाद कड़ा कदम

चाकरी और चिकारी गांव के बीच वन भूमि पर कब्जे का विवाद वर्षों से चला आ रहा था. प्रशासन ने पंचायत के जरिए समाधान की कोशिश की, लेकिन विफल रही. इसके बाद 9 सितंबर को दोनों पक्षों के बीच झगड़ा इतना बढ़ा कि पथराव और हथियारों का इस्तेमाल हुआ. गंगाराम भील की मौत के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए. मृतक के परिजनों ने गांव में शव रखकर विरोध किया और 16 घंटे तक प्रशासन को गांव में प्रवेश नहीं करने दिया. बाद में पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार पुलिस बल की मौजूदगी में कराया गया. झगड़े के बाद बमोरी थाना पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किए और 12 सितंबर को पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा. इसके बावजूद गांव में तनाव बरकरार था. इसी पृष्ठभूमि में सोमवार को प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की सख्त कार्रवाई की, ताकि भविष्य में फिर से इस तरह की स्थिति न बने. शाम तक करीब 300 बीघा से अधिक भूमि अतिक्रमण मुक्त कर दी गई. अधिकारियों का कहना है कि यह जमीन शासकीय वन भूमि है, जिस पर किसी भी तरह की निजी खेती या कब्जा अवैध है.

सड़कों की बदहाली पर सिंधिया की सख्ती

▸ बैठक में अफसरों को दिए कड़े निर्देश

ग्वालियर, 15 सितंबर. रियासतकालीन शहर ग्वालियर लंबे समय से अपनी बदहाल सड़कों को लेकर सुर्खियों में है. करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नई बनी सड़कें धंस रही हैं, जबकि पुरानी सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं.

इसी पर नाराज़गी जताते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की और अफसरों को कड़े निर्देश दिए. करीब साढ़े तीन घंटे चली इस बैठक में 18 से अधिक मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें सबसे ज्यादा फोकस सड़कों पर रहा. सिंधिया ने साफ कहा कि ग्वालियर की सड़कों की हालत चिंताजनक है, इसे जल्द से जल्द

सुधारा जाए. उन्होंने 'लाल-पीली सड़क योजना' का सुझाव भी दिया. इसके तहत शहर का नक्शा तैयार कर सड़कों को दो रंगों में बांटा जाएगा. लाल रंग से चिन्हित सड़कें सबसे जर्जर होंगी, जबकि पीली वे सड़कें होंगी जो बारिश में खराब हुई हैं. इन सड़कों को आगे दो हिस्सों में बांटकर प्राथमिकता से सुधारने का काम होगा. सिंधिया ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगली बैठक में पूरी डिटेल और आवश्यक राशि का प्रस्ताव प्रस्तुत करें.

इस पर भी हुई चर्चा

बैठक में आईएसबीटी से नवंबर के पहले सप्ताह से बस संचालन शुरू करने पर भी चर्चा हुई. वहीं नगर निगम सभापति मनोज तोमर को सिंधिया ने अनुपस्थिति और लापरवाही को लेकर भरी बैठक में फटकार लगाई और कहा भविष्य में ऐसी गलती न हो. इस सख्ती से अफसर और नेता हैरान रह गए. बैठक के बाद सोशल मीडिया पर सिंधिया और तोमर समर्थकों में तीखी बहस देखने को मिली. कांग्रेस ने भी मौका साधते हुए भाजपा पर निशाना साधा. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि भाजपा की गुटबाजी और अनुशासनहीनता ने ग्वालियर-चंबल संभाग के विकास का पहिया रोक दिया है. सरकार को चाहिए कि अधिकारियों को सख्त निर्देश देकर कार्य करवाए जाए.

जिले में 7500 शिक्षकों की नौकरी खतरे में

टीईटी से साबित करनी होगी योग्यता

शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन, पीएम से हस्तक्षेप की मांग

खरगोन, 15 सितंबर. सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय ने देश सहित जिले के शिक्षकों की नींद उड़ा दी है.

इस निर्णय के अनुसार कक्षा 8वीं तक पढ़ाने वाले सभी सेवारत शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उतीर्ण करना अनिवार्य किया गया है, चाहे उनकी नियुक्ति की तिथि कुछ भी रही हो. केवल सेवानिवृति में 5 वर्ष से कम समय शेष रहा है उन्हें छूट दी गई है. इसे

निर्देश के बाद शिक्षकों में हड़कंप मचा है. जिले में ऐसे करीब 7500 शिक्षकों की नौकरी खतरे में पड़ती नजर आ रही रही है. इस फैसले को लेकर मप्र शिक्षक संघ ने सोमवार को आपत्ति दर्ज कराते हुए कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की. संघ के जिला उपाध्यक्ष प्रदीप यादव, छगनलाल पाटीदार, सचिव संतोष पटेल, कोषाध्यक्ष नरेंद्र चौहान ने बताया शासन द्वारा 1998 से 2005 तक शिक्षाकर्मी, संविदा कर्मियों के रूप में जो भर्तियां की थी, वह नियमों के तहत और योग्यता के आधार पर ही की थी.

5 हजार की रिश्वत लेते महिला सहायक गिरफ्तार

जबलपुर. लोकायुक्त ने असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं जबलपुर संभाग जबलपुर कार्यालय में दबिश देकर पांच हजार रूपए की रिश्वत लेते महिला सहायक को दबोचा है. रिश्वत की रकम परमलोक धाम आश्रम सेवा समिति का रजिस्ट्रेशन करवाने के एवज में मांगी गई थी. जबलपुर लोकायुक्त एसपी अंजू लता पटले के मुताबिक शिवप्रसाद कुशवाहा ग्राम कौड़िया जिला कटनी ने शिकायत देते हुए बताया कि परमलोक धाम आश्रम सेवा समिति का रजिस्ट्रेशन करवाने के एवज में कार्यालय असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स व संस्थाएं जबलपुर में कार्यरत प्रीति ठाकुर सहायक ग्रेड 2 ने रिश्वत मांगी थी.

आरोप : सरकार ने छोटेकर्मियों को धोखा दिया

▸ कर्मचारियों का कहना इस बार अंतिम निर्णय की लड़ाई

खंडवा, 15 सितंबर. जिला सहकारी समिति के कर्मचारियों की बेमुद्दत हड़ताल 8 सितंबर से बरसते पानी में भी नहीं डगमगाई. इन कर्मचारियों को आश्वासनों का धोखा ही हमेशा मिला है.

अब वे घायल शेर की तरह गांधीवादी तरीके से मैदान में डटे हुए हैं. पिछले साल भी इन्हीं दिनों में हड़ताल की थी. भोपाल में भी प्रदेश भर के सहकारिताकर्मी एकत्रित हुए थे. वहां आश्वासन मिला था कि कुछ ही दिनों में उनकी मांगे लागू कर दी जाएंगी. इसके बाद कर्मचारी खुश होकर लौट आए थे, लेकिन सरकार और रजिस्ट्रार के बीच पेंच फंसने के कारण इन कर्मचारियों की मांगों को फुटबॉल बना दिया गया.

55 हजार की भी नहीं सुन रही सरकार: प्रदेश भर में 55,000 से अधिक सहकारी समिति व पीडीएस के कर्मचारी एकजुट होकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. खंडवा जिले में सभी कर्मचारी कलेक्टर कार्यालय परिसर में धरने पर बैठकर जोरदार नारेबाजी कर तीन सूत्रीय मांगों पर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं. मेहनतकश इन कर्मचारियों को सरकार और सहकारिता विभाग के साथ उच्च पदों पर बैठे अफसर झोले दे रहे हैं.

30 साल नौकरी पर भी परमानेंट नहीं

कई कर्मचारी तो 30 साल शक्कर और घासलेट नापते नापते रिटायर्ड हो गए. किसानो और सहकारिता के बीच ये कम वेतन में सेतु का काम कर रहे हैं. सहकारिता विभाग की रीढ़ भी कहे जाते हैं. काम के घंटे भी तय नहीं हैं. सुबह से जाते हैं, तो आधी रात को घर आते हैं. कुछ कर्मचारी तो एमबीए जैसी डिग्री वाले हैं. जिले की 105 सहकारी समितियां और 52 बुरहानपुर जिले की समितियां काम बंद करके हड़ताल पर चली गई हैं.

26 को भोपाल में जुटेंगे कर्मचारी

मिश्रीलाल पटेल ने चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर शीघ्र समाधान नहीं निकला तो 26 सितंबर को प्रदेशभर के सभी सहकारी कर्मचारी भोपाल में बड़े आंदोलन के लिए एकजुट होंगे. इसके परिणामस्वरूप 105 सहकारी समितियां और 300 से अधिक पीडीएस केंद्र बंद रहेंगे, किसानों को समय पर खाद, बीज वितरण व ऋण वसूली में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से अनाज प्राप्ति में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा.

फिल्म फेस्टिवल में मजदूर परिवार को अवॉर्ड

पनिहार के मजदूर परिवार की कहानी ने रचा इतिहास

ग्वालियर, 15 सितंबर. महज 11 दिनों में तैयार ग्वालियर के पनिहार व आसपास के इलाकों में शूट हुई फिल्म विमुक्त, इन द सर्च ऑफ स्काई को कनाडा के टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एशियन फिल्म के अवार्ड से नवाजा गया.

गौरव की बात है कि फेस्टिवल में आई हजारों फिल्मों में इस फिल्म ने शानदार अभिनय, पिक्चराइजेशन और स्टोरी की दम पर बाजी मारी. फिल्म की कहानी ग्रामीण परिवेश में संघर्ष करते एक मजदूर परिवार की है. ग्वालियर में बनकर तैयार हुई यह फिल्म विश्व

स्तर पर अपना नाम दर्ज करा चुकी है. ग्वालियर के पनिहार, बरई, पवा व पावटा इलाके में 11 दिन में शूट की गई फिल्म 'विमुक्त' की कहानी एक ऐसे मजदूर की कहानी है जो ईट-भट्टें पर मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता है, वहीं इसका बेटा जो कि मानसिक रूप से विकलांग है, के इर्द-गिर्द इस कहानी को साकार किया गया है. जिसका क्लाइमेक्स सीन प्रयागराज में कुंभ के दौरान शूट किया गया था. इस फिल्म के डायरेक्टर ग्वालियर के जितांक सिंह गुर्जर है. फिल्म की प्रोड्यूसर पूजा विशाल शर्मा, आकर्षी भानुशाली, पूनम खरे, मधु शर्मा एवं वरिष्ठ पत्रकार अर्पण राउत है. फिल्म की डीओपी शैली शर्मा एवं प्रोडक्शन हेड पूनम रजनीश खरे है.

मास्टर चाबी से बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

चोरी की 4 बाइक सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

मंडला 15 सितंबर. पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन और एसडीओपी नैनपुर के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बम्हनी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है.

पुलिस ने मास्टर चाबी से मोटरसाइकिल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर 1.85 लाख रुपये मूल्य की चार बाइक बरामद करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया. थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण प्रताप सिंह भदौरिया की टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई कर आरोपियों दुर्गेश कुमार डेहरिया (22) निवासी छ्छारी चौकी टाटरी और निलेश उर्फ भोलू यादव (19) निवासी बड़ी खैरी को पकड़ा.

पूछताछ में दोनों ने रात के समय गलियों से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात कबूल की. पुलिस ने हीरो एचएफ डीलक्स, हीरो स्प्लेंडर प्लस और हीरो मोटरसाइकिल जब्त कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया. कार्रवाई में उपनिरीक्षक मानिक पटले, एएसआई झनकार सिंह, आरक्षक शिवराम बघेल की भूमिका सराहनीय रही.

श्रीयुत शताब्दी पर्व में देश के बड़े नेता आएंगे

17 सितम्बर को रीवा में प्रतिमा का होगा अनावरण

रीवा, 15 सितम्बर, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्रीनिवास तिवारी का पूरा जीवन संघर्ष का पर्याय था.

शायद इसीलिए उनकी प्रतिमा स्थापना मे भी संघर्ष होना स्वाभाविक हैं किन्तु अच्छे उद्देश्यों के लिए किया गया संघर्ष सफल होता है वही दादा की प्रतिमा स्थापना में भी हुआ हैं. जिलाध्यक्ष पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे. उन्होने कहा कि 17 सितम्बर को श्रीनिवास तिवारी जी से आस्था रखने वाले समूचे जिले से लोग आएंगे. कार्यक्रम मे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल, सीडब्लूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, विधायकगण एवं सांसद शामिल होगे. सेमरिया विधायक अभय मिश्रा ने कहा कि श्रीनिवास तिवारी जननेता थे आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत थे.

महापौर अजय मिश्रा बाबा ने कहा कि महापौर बनते ही श्रीनिवास तिवारी, महाराजा मर्तण्ड सिंह एवं यमुना प्रसाद शास्त्री की प्रतिमा की स्थापना मेरी प्राथमिकता मे था जो मूर्त रूप लेने जा रही हैं. दादा की प्रतिमा अनावरण के बाद शेष दो नेताओं की प्रतिमा भी हम स्थापित करेगें. बाबा ने भी 17 सितम्बर को आयोजित श्रीयुत शताब्दी पर्व मे सम्मिलित होने के लिए रीवा शहर एवं जिले के समस्त नागरिकों को आमंत्रित किया. मिश्रा ने यह भी बताया कि रीवा जिले के साथ-साथ पड़ोसी जिलों से भी बड़ी संख्या मे लोग कार्यक्रम मे सम्मिलित होने के लिए आ रहे हैं. अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि दोपहर 12 बजे पहले श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमा अनावरण का संक्षिप्त कार्यक्रम अतिथियों की उपस्थिति में एसएएफ चौराहे पर होगा. महासम्मेलन मे प्रमुख रूप से किसानो की खाद, बिजली, आवारा पशु, भारी बिजली बिल आदि की समस्या के विरोध मे आंदोलन का संखनाद किया जायेगा.

मांग : गरबा महोत्सव में मर्यादा का पालन हो अनिवार्य

जबलपुर,15 सितम्बर. शक्ति की आराधना के पावन पर्व शारदेय नवरात्र को परंपरागत एवं मर्यादित स्वरूप में संपन्न कराने की मांग को लेकर हिन्दू धर्म सेना जबलपुर महानगर की महिला इकाई एवं विधि प्रकोष्ठ द्वारा जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन में विशेष रूप से यह मांग रखी गई कि गरबा महोत्सव के आयोजन में परंपरा, संस्कृति और मर्यादा का पालन अनिवार्य हो, आधार कार्ड से ही प्रवेश दिया जाए और गैर-हिंदू व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित रहे, आयोजन समिति का जिम्मेदार सदस्य सभी गतिविधियों की जवाबदेही ले, आयोजन स्थल पर संबंधित थाने की पुलिस मौजूद रहे, अशोभनीय/फिल्मी गानों पर पूर्ण प्रतिबंध हो और केवल पारंपरिक भक्ति संगीत ही प्रयोग हो, प्रतिभागियों के वस्त्र पारंपरिक, सांस्कृतिक एवं मर्यादित हों, हिन्दू धर्म सेना जबलपुर महानगर ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि धर्म और आस्था पर किसी भी प्रकार का प्रहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. यदि मर्यादाओं का उल्लंघन हुआ तो समाज खुलकर विरोध करेगा. इस अवसर पर हिन्दू धर्म सेना की महिला इकाई की अन्नू सिंह, अभिलाषा सिंह, तिवारी, मधु सिंह, अनुराधा सिंह और विधि प्रकोष्ठ के एड ईश्वर सिंह , एड अमित उपाध्याय, एड अनिकेत पांडे अन्य उपस्थित रहे.

नशीली कफ सिरप की 235 शीशियां जप्त

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

सीधी, 15 सितंबर.थाना जमोड़ी पुलिस ने नशीली कफ सिरप की 235 शीशियां जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया.

थाना जमोड़ी प्रभारी उपनिरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम धनखोरी निवासी पुष्पेन्द्र कुमार पाण्डेय अवैध रूप से नशीली कफ सिरप बिक्री हेतु रखे हुए है. सूचना पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया. नवागत पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना जमोड़ी पुलिस टीम द्वारा नगदहा नाला धनखोरी के पास दबिश दी

गई.दबिश के दौरान संदेही पुष्पेन्द्र कुमार पाण्डेय उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम धनखोरी के कब्जे से एक बोरी में रखी कोडीनयुक्त ऑनरेक्स कफ सिरप की कुल 235 शीशियां बरामद हुईं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 50 हजार 525 रुपए आंकी गई है. बरामद माल को विधिवत सील कर जब्त किया गया तथा आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया.आरोपी का कृत्य धारा 8, 21, 22 एनडीपीएस एक्ट एवं 5/13 ड्रग कंट्रोल एक्ट के अंतर्गत पाए जाने पर केस दर्ज किया.

6 घंटे में बरामद किया 260 क्विंटल लहसुन

मंदसौर. मंदसौर पुलिस ने तेज़ कार्रवाई करते हुए रात्रि में चोरी गई 260 क्विंटल लहसुन से भरी ट्रक को महज 6 घंटे में बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के मार्गदर्शन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल व एसडीओपी कीर्ति बघेल के निर्देशन में थाना अफजलपुर प्रभारी शैलेन्द्र सिंह कनेश के नेतृत्व में यह सफलता मिली. फरियादी रामबाबु भील द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, ट्रक में लहसुन लेकर नागपुर जा रहे थे. नीमच-मंडी से चलकर मंदसौर होते हुए जा रहे ट्रक को जियो पेट्रोल पंप के पास रोकने के दौरान हेल्पर ड्राइवर लहसुन सहित वाहन लेकर फरार हो गया.

एनसीएल कर्मी के साथ लूट की वारदात करने वाले दो धराए

सिंगरौली 15 सितम्बर. एनसीएल की खदान से काम कर लौट रहे कर्मी के साथ डरा धमका कर लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को जयंत पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है.

यह कार्यवाही थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी जयंत उनि सुधाकर सिंह परिहार द्वारा की गई. जानकारी के अनुसार फरियादी जगराम पिता स्व. बच्चू राम उम्र 57 वर्ष निवासी क्वार्टर नंबर एमक्यू 440 सेक्टर- बी दुद्धिचुआं चौकी जयंत द्वारा तहरीर दर्ज कराई गई कि दुद्धिचुआं खदान से ड्यूटी करने के बाद वापस अपने क्वाटर लौटते समय करीब 4 बजे सीडब्ल्यूएस डिस्पेन्सरी के पास दो व्यक्तियों ने लोहे की रोड के दम पर डरा धमका कर उसके साथ लूटपाट की एवं उसके शर्ट पैन्ट के जेब में जबरन हाथ डालने हुए जेब में रखा पर्स जबरन व उसमे रखे 1 हजार रूपये, यूबीआई का एटीएम तथा आधार कार्ड मोबाइल प फोन लूट लिया. उन्होंने फोन के माध्यम से 1000 रूपये जबरन धमका कर ट्रान्सफर भी करवा लिये. चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार द्वारा रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध धारा 126 (2) 309 (4) 3 (5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया.

आरोप ▸ मध्य प्रदेश में खाद की कालाबाजारी में मंत्री-अधिकारी शामिल

खाद के बदले किसानों पर बरसाई लाठियां : सिंघार

अनूपपुर, 15 सितंबर. मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सोमवार को अनूपपुर जिला मुख्यालय में अंडर ब्रिज के पास हुए सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार कहती हैं कि हमने खाद उपलब्ध करा दिया और जिस प्रकार से रीवा में खाद की दिक्कत की वजह से किसानों पर लाठियां चलाई गई.

जब मध्य प्रदेश में पर्याप्त खाद हैं. यह खाद्य कहां जा रही हैं. एक तरफ केंद्र सरकार की फर्टिलाइजर मंत्री जेपी नड्डा कहते हैं कि मध्य प्रदेश में खाद है.मध्य प्रदेश के कई जिलों में खाद की

किल्लत को लेकर विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार के सामने बड़े सवाल खड़े किए. नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा लोकसभा में दिए गए जवाब से पता चला है, कि पिछले 3 सालों से मध्य प्रदेश में जरूरत से ज्यादा खाद है, इन सालों में यूरिया और डीएपी बड़ी मात्रा में बची रह गई, लेकिन इसके बाद भी प्रदेश के किसानों तक यह क्यों नहीं पहुंच पा रहा. खाद के बदले उन पर लाठियां बरसाई जा रही है.

मध्य प्रदेश में जरूरत से ज्यादा मांग

पत्रकारों से चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि इस माह ही रीवा और भिंड में खाद वितरण के लिए लाइनों में लगे किसानों पर पुलिस ने लाठियां बरसाई हैं. आखिर यह नौबत क्यों आ रही है, जबकि केन्द्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में खाद सरप्लस है. मिनिस्ट्री ऑफ केमिकल एंड फर्टीलाइजर ने 15 जुलाई को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि प्रदेश में साल 2024-25, 2023-24 और 2022-23 के दौरान यूरिया और डीएपी की उपलब्धता खपत से ज्यादा थी. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि किसान का बेटा होकर उन्होंने मध्य प्रदेश में इतने साल राज्य किया. पंजाब में किसानों की फसल को देख रहे पानी में जाकर. वहां से फोटो वायरल कर रहे हैं और कह रहें है कि देखो मैं किसानों का हितैषी हूं. लेकिन आपने क्या मध्यप्रदेश में खाद की किल्लत को लेकर कोई समीक्षा की. इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारा लगाया कि हमारा मुख्यमंत्री कैसा हो, उमंग सिंघार जैसा हो के नारे पर उमंग सिंघार ने कहा कि 2028 अभी दूर हैं.

जनसुविधा की दृष्टि से सुलभ प्रशासन एक मात्र उद्देश्य

▸ मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुर्नगठन आयोग की बैठक

सतना, 15 सितंबर. मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुर्नगठन आयोग के अध्यक्ष एसएन मिश्रा (पूर्व अपर मुख्य सचिव) ने कहा कि जनोन्मुखी और जनसुविधा की दृष्टि से सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के एक मात्र उद्देश्य को लेकर राज्य शासन ने इस आयोग का गठन किया है.

आयोग प्रदेश के विभिन्न जिलों में जाकर प्रथम चरण में प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों से उनके कार्य अनुभव के आधार पर महत्वपूर्ण सुझाव ले रहा है. द्वितीय चरण में आयोग जनप्रतिनिधियों एवं अन्य

समस्याओं से भी फीडबैक लेगा. सतना जिले के प्रवास के दौरान सोमवार को मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुर्नगठन आयोग ने जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर आयोग के गठन, उद्देश्यों की जानकारी देते हुए महत्वपूर्ण सुझाव भी लिये. इस मौके पर आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला, आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह (आईएएस), कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, जीतेन्द्र वर्मा, आरएन खरे, एलआर जांगडे, सोमेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा सहित सभी विभागो के विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे.